

ଧରା ଦିଲେ ତୁମି ପ୍ରଭୁ
 ବନ୍ଧୁବନ୍ଧୁର ମାବଥାନେ
 ଥେକୋ ମନେର ଥେତ କମଳେ
 ସୁଗେ ସୁଗେ ସର୍ବକ୍ଷଣେ ॥
 କତ ସଞ୍ଚୟା ରାଙ୍ଗା ପ୍ରଭାତ
 ଗେଛେ କତ ନା ଜ୍ୟୋତିଶ୍ଵା ରାତ
 ହୋଲ ସମୟ ହେ ଜ୍ୟୋତିର୍ମୟ
 କାଲାତୀତେର ଅଭିଧ୍ୟାନେ ॥
 ମୋର ପ୍ରାଣେ ମୋର ମନେ
 ଏସେହିଲେ ସଂଗୋପନେ
 ଗୋପନେ ସେଇ ଆସା ତବ
 ଜାନିଲ ନା ବିଶ୍ଵଜନେ ॥

(ଆନନ୍ଦନଗର, ୨୯ଶେ ଡିସେମ୍ବର, ୧୯୮୨)

ତାଳ : କାହାରବା

I	०	१	०	
II	- ନ ସୀ ସା	ସୀ ରା ଗା ଗା	ଗା - ଧା ଗା	ଧା ପା ପା ରା
	୦ ୦ ଧ ରା	<u>ଦି</u> ୦ ୦ ୦	ଲେ ୦	ତୁ ମି ପ୍ର ୦ ଭ ୦
I	- ନ ରା ପା	ମା - ମା ଗା	ରା ଗା ଗା ରା	ସା ନ୍ତ ସା -
	୦ ୦ ଝନ୍ମ ଝା	ଝ ୦ ଡେ ର୍ବ	ମା ୦ ୦ ଝ୍ ଥା	୦ ନେ ୦
I	- ନ ସା ରା	ରା - ରା -	ରଗା - ରା ଶଧା	ଶପା - ପା ରା
	୦ ୦ ଥେ କୋ	ମ ୦ ନେ ର୍	ଶେଠ କ ୦୦	ମ ୦ ୦ ଲେ ୦
I	ରା - ରା ପା	ମା - ମା ଗା	ରା ଗା ରଗା ରା	ସା - ସା -
	୦ ୦ ଯୁ ଗେ	ଯ ୦ ଗେ ୦	ମ ର୍ ବ ୦ ୦	କ୍ଷ ୦ ଶେ ୦
I	- ନ ରା ପା	ମା - ମା ଗା	ରା ଗା ରା ଗା	ସା ଶା ସା - II
	୦ ୦ ଝନ୍ମ ଝା	ଝ ୦ ଡେ ର୍ବ	ମା ୦ ୦ ଝ୍ ଥା	୦ ନେ ୦

II -⁺ না সী | না -⁺ না সী | -⁺ না সী | না -⁺ সী -⁺
০ ০ ক ত স ম্ব ধ্য ০ ০ ০ রা ঙা প্র ০ ভা ত

I -⁺ না সী র্বা | গা ধা ধা পা | পা -⁺ পা ধা | পা ধা মা গা |
০ ০ গে ছে ক ০ ত ০ না ০ জ্বো ছ না ০ রা ত

I -⁺ না গা | গা -⁺ না সী | সী র্বা গা ধা | ধা পা পা রা |
০ ০ হ ল স ০ ম য হে ০ জ্বো ০ তি ব্ ম ষ

I -⁺ না রা পা | মা -⁺ মা গা | রা গা রা গা | সা -⁺ সা -⁺
০ ০ কা লা তী ০ তে ব্ অ ০ ভি ০ ধ্য ০ নে ০

I -⁺ না রা পা | মা -⁺ মা গা | রা গা রা গা | সা ম্ব সা -⁺
০ ০ ঝন্ম ঝা ঝ ০ ডে ব্ ঝা ০ ০ ঝ খা ০ নে ০

II -⁺ না -⁺ | না -⁺ না সী | না সী -⁺ | না সী না সী |
০ ০ মো ব্ প্রা ০ শে ০ মো ০ ০ ব্ ম ০ নে ০

I -⁺ না সী র্বা | গা -⁺ না ধা | পা ধা পা ধা | মা গা রা -⁺
০ ০ এ সে ছি ০ লে ০ সং ০ গো ০ প ০ নে ০

I -⁺ না না | না সী সী সী | গা গা না ধা | পা মা গা রা |
০ ০ গো প নে ০ মে ই আ ০ শা ০ ত ০ ব ০

I -⁺ না রা পা | মা -⁺ মা গা | রা গা রা গরা | সা ম্ব সা -⁺
০ ০ জ্বা নি জ ০ না ০ বি শ্ব শ ০ জ ০ নে ০

I -⁺ না রা পা | মা -⁺ মা গা | রা গা রা গা | সা ম্ব সা -⁺ ||||
০ ০ ঝন্ম ঝা ঝ ০ ডে ব্ ঝা ০ ০ ঝ খা ০ নে ০